NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर नोनी

हमारे शरीर की सबसे ज्यादा छोटी ईकाई कोशिका (सैल) है। बहुत सारी कोशिकाओं से मिलकर टिशू बनते हैं। टिशू ऑरगन बनाते हैं। ऑरगन से मिलकर सिस्टम बनता है और बहुत सारे सिस्टमों से हमारा शरीर बनता है। हमारे शरीर में 60 से 90 खरब कोशिकाएं होती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार प्रतिदिन हमारे शरीर की लगभग 90 करोड़ कोशिकाएं टूटती और बनती हैं। शरीर को पोषक तत्व भरपूर मात्रा में न मिलने के कारण कोशिकाओं के पुनः बनने की प्रक्रिया कमजोर पड़ जाती है। जिससे हमारा शरीर कई तरह की बीमारियों की चपेट में आ जाता है।

नोनी का बोटैनिकल नाम मोरिड़ा सिट्रोफोलिया है यह एक प्रकार का फल होता है। नोनी में जेरोनाइन अनानास से 40 गुणा ज्यादा होता है। नोनी प्रोजेरोनाइन का एक मूल्यवान स्त्रोत है जो कि जेरोनाइन का पूर्वगामी है। नोनी टेबलेट कोशिकाओं की दीवारों के छिद्रों को बड़ा करता है और कोशिकाओं को आवश्यक भोज्य पदार्थ उपलब्ध कराता है जिससे पोषक तत्वों की क्षमता को बढ़ाने में सहायता मिलती है।

30 टेबलेट	M.R.P.	210/-
60 टेबलेट	M.R.P.	375/-

न्यूट्रीलर नोनी के लाभ :

- ✶ गठिया (जोड़ों का मुड़ना और जकड़न) में लाभ देता है।
- ✶ दमा (सांस की तकलीफ) को रोकने में विशेष लाभ देता है।
- ✶ दाग, मुहांसे, एग्ज़ीमा, सोरायसिस तथा रोजेशिया आदि बीमारियों से बचाव के लिए सुरक्षा प्रदान करता है।
- ✶ टूटी हड्डियों को जल्दी से जोड़ने में सहायक है।
- ✶ इम्यून प्रणाली तन्त्र को मजबूत बनाता है, जिससे कैंसर आदि रोगों से बचाव होता है।
- ✶ मधुमेह टाईप-1, टाईप-2 को नियंत्रण करता है व प्राकृतिक इन्सुलिन बनाने में शरीर की मदद करता है।
- ✶ उच्च रक्त-चाप या हाईपर टेंशन, सिरदर्द, माइग्रेन, साईनस आदि बीमारियों से बचाव करता है।
- ✶ अपच, कब्ज, पैरासाइट, दस्त, इन्फैक्शन व वायरस इत्यादि से बचाव व लड़ने में सहायक है।
- ✶ विभिन्न शारीरिक दर्द : मासिक धर्म में मरोड़, शिशु-जन्म के समय दर्द, दांत का दर्द (मसूड़े की बीमारी) और पेट दर्द इत्यादि में लाभकारी है।

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने से पहले गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर स्पीरूलीना

स्पीरूलीना नीले, हरे शैवाल हैं जो आज से 3.5 अरब वर्ष पहले जीवन की उत्पत्ति करने वाली लच्छेदार सरंचना है। मानव शरीर के डी.एन.ए. में इसका कोड विध्यमान है। मानव शरीर के लिए प्रतिदिन आवश्यक मुख्य 46 पोषक तत्वों का यह समृद्ध स्त्रोत है। इसमें यह सारे तत्व उस रूप और मात्रा में विध्यमान हैं जितनी मानव शरीर को उनकी आवश्यकता है। यह प्रोटीन का मुख्य स्त्रोत है। इसमें 60 से 69 प्रतिशत प्रोटीन है जिसको 80 प्रतिशत तक शरीर पचा सकता है। इसमें 13 विटामिन, 13 खनिज पदार्थ, 4 फाईटोन्यूट्रीएंट्स, 8 केरोटेनाइडस, 18 एमीनो ऐसिड, 4 प्राकृतिक रंग द्रव्य सम्मिलित हैं जो कि कोशिकाओं को पोषण प्रदान करके हमारी प्रतिरोधक प्रणाली को मजबूत बनाते हैं। इसमें केवल मां के दूध में पाया जाने वाला एसेन्शियल फैटी एसिड जी.एल.ए. (गामा लेनिक एसिड) भी है जो बुरे कोलेस्ट्रोल (LDL) को कम करता है और हृदय की रक्षा करता है। इसमें मौजूद सभी प्राकृतिक अवयव शरीर को दिन भर चुस्त व फूर्तिदायक बनाए रखते हैं जिससे आप अपने आप को बहुत ऊर्जावान और चिंतामुक्त महसूस करते हैं।

30 टेबलेट	M.R.P.	180/-
60 टेबलेट	M.R.P.	315/-

न्यूट्रीलर स्पीरूलीना के लाभ :

- ✶ बुरे कोलेस्ट्रोल (LDL) के स्तर को निम्न तथा दिल के रोगों का खतरा कम करता है।
- ✶ प्राकृतिक रुप से मल निकासी और डिटोक्सीफीकेशन की क्रिया को बढ़ावा देता है।
- ✶ पाचन प्रणाली को मजबूती देता है तथा आंतों की सफाई करता है।
- ✶ कैंसर के खतरे को कम करता है और रोगों से लड़ने की ताकत देता है।
- ✶ वजन कम करने में सहायता करता है।
- ✶ खून को बढ़ाता है तथा एनीमिया को ठीक करता है।
- ✶ प्रबल वायरल रोधी क्रिया (Strong Antiviral Action) को तेज करता है।

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।
मोटापे से ग्रसित रोगी 2-2 गोली दिन में दो बार खाना खाने के पहले गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर एलोवेरा

एलोवेरा को घृतकुमारी, कुंवारगंदल, ग्वारपाठा, घीकंवार आदि नामों से जाना जाता है। एलोवेरा का इतिहास 5000 वर्षों से अधिक पुराना है। पवित्र धर्मग्रन्थ बाईबल में भी इसका जिक्र किया गया है। महारानी क्लियोपेट्रा ने सौन्दर्य प्रसाधन के रूप में इसका प्रयोग किया है। एलोवेरा में सेपोनिन नामक तत्व पाये जाते हैं जो शरीर की अन्दरूनी सफाई कर रोगाणु मुक्त रखने में मदद करते हैं। इसीलिए शरीर को रोगाणु मुक्त रखने के कारण एलोवेरा को बढ़िया एंटी-बायोटिक, एंटी-सेप्टिक व अंतराकोशीय (Intra-Cellular) एवं एंटी-ऑक्सीडेंट के रूप में जाना जाता है।

एलोवेरा में-

200 से अधिक औषधीय गुण पाये जाते हैं।
20 अनिवार्य खनिज पदार्थ पाये जाते हैं।
8 अनिवार्य एमीनो एसिड हैं।
11 से 14 सेकेन्ड्री एमीनो एसिड हैं।
विटामिन एवं लिगनान हैं।
एंजाइम एवं पॉलीसेकराइड्स हैं।

30 टेबलेट	M.R.P.	195/-
60 टेबलेट	M.R.P.	345/-

न्यूट्रीलर एलोवेरा के लाभ :

- ★ इसके सेवन से दुर्बलता, अपच, कब्ज, एसीडिटी आदि बीमारियों से राहत मिलती है।
- ★ श्वसन समस्याएं, कोलाइटिस आदि रोगों से बचाव में सहायक है।
- ★ दमकते, मजबूत एवं रूसी मुक्त बाल बनते हैं।
- ★ शरीर से टोक्सिन्स को निकालने में सहायक है।
- ★ लीवर को स्वस्थ एवं रोग मुक्त बनाता है।
- ★ स्त्री रोग सम्बंधी व प्रजनन प्रणाली में भी लाभकारी है।
- ★ इसके नियमित प्रयोग से सभी प्रकार के अल्सर के ईलाज में फायदा मिलता है।
- ★ इससे गठिया, बाय आदि रोगों के ईलाज में फायदा मिलता है।

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर ग्लूकोसामाईन

ग्लूकोसामाईन दुनिया भर में जोड़ों की सूजन व घुटनों के दर्द (आस्टियोआर्थराईटिस) के लिए प्रयोग किया जाता है इसका पूरा नाम ग्लूकोसामीनोग्लाइकेन है जो एमीनो ऐसिड की पूरी श्रृंखला है। यह मनुष्य के उत्तकों (टीशू) में पाया जाता है और कार्टिलेज में यह बहुत ही गाढ़ा होता है। यह जोड़ों में चिकनाई बनाता है और झटके सहने की शक्ति प्रदान करता है। यह कार्टिलेज की क्षति को रोकता है तथा उसके पूर्ननिर्माण में सहायक है। इसमें खासकर घुटनों के आस्टियोआर्थराईटिस रोग को ठीक करने की क्षमता है। इसमें डाला गया बोसवालिया दर्द निवारक और सूजन रोधी है, बोसवालिया को भारत में 'गुग्गल' के नाम से जाना जाता है और आयुर्वेद में इसका उपयोग जोड़ों से सम्बन्धित बीमारियों में किया जाता रहा है। MSM (Mythyl Sulforyl Methene) एक आर्गेनिक सल्फर है MSM हमारे शरीर का बहुत जरूरी खनिज है। यह सभी जीवों में पाया जाता है और विटामिन तथा एमीनो ऐसिड को पचाने में मदद करता है। इसकी कमी होने पर हड्डियों एवं मांसपेशियों से सम्बंधित भयंकर बीमारियाँ भी हो सकती हैं।

30 टेबलेट	M.R.P.	360/-
60 टेबलेट	M.R.P.	690/-

न्यूट्रीलर ग्लूकोसामाईन के लाभ :

- ✶ खराब और घिसी कार्टिलेज की मुरम्मत करता है।
- ✶ कार्टिलेज का पोषण बढ़ाता है।
- ✶ साइनोवियल द्रव का उत्पादन बढ़ा देता है ताकि शरीर को दर्द निवारक और सूजन-रोधी क्षमता मिले।
- ✶ कार्टिलेज का नवनिर्माण करके बची हुई कार्टिलेज की सुरक्षा करता है।

बोसवालिया के लाभ :

- ✶ आयुर्वेदानुसार यह जोड़ों के सभी रोगों में सहायक है।
- ✶ यह प्राकृतिक रूप से जोड़ों की सूजन तथा दर्द कम करने में सहायक है।
- ✶ यह शरीर के भार को कम करता है जिससे जोड़ों की बीमारी में राहत मिलती है।
- ✶ इसके उपयोग से जोड़ों की हलचल में सहायता मिलती है।
- ✶ बोसवालिया के प्रयोग से शरीर पर कोई कुप्रभाव जैसे गैस्ट्रिक, अल्सर, अपच, कब्ज आदि का प्रभाव नहीं पड़ता क्योंकि सूजन-रोधी और दर्द निवारक का गुण इसमें होता है।

Osteoarthritis

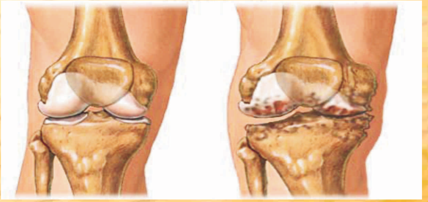

Healthy knee joint — Hypertrophy and spurring of bone and erosion of cartilage

प्रयोगविधिः- पहले 5-7 दिन सुबह के समय 1 गोली खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।
उसके बाद 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर फ्लैक्स

फ्लैक्स सीड्स ऑयल को भारत में अलसी के बीज के तेल के नाम से जाना जाता है। पुराने समय से भारत में इसका उपयोग खाने में तथा विभिन्न बीमारियों को दूर करने के लिए किया जाता रहा है। इसमें लगभग 50-60 प्रतिशत ओमेगा-3 मूलभूत फैटी ऐसिड है, जिन्हें अल्फा-लिनोलेनिक ऐसिड (ALA) कहते हैं जो हृदय रोग, बवासीर, आर्थराइटिस और अन्य तकलीफों में फायदा करता है। इसमें लगभग 18-20 प्रतिशत ओमेगा-6 मूलभूत फैटी ऐसिड भी होते हैं जिन्हें लिनोलेनिक ऐसिड कहते हैं। फ्लैक्स का तेल अल्फा लिनोलेनिक ऐसिड (ALA) है, इनके साथ-साथ प्राकृतिक विटामिन-ई की अच्छी मात्रा होती है। यह न केवल बुरे कोलेस्ट्रोल (LDL) को कम करता है बल्कि खून में से ट्राईगिलसराईड को भी कम करता है जिससे हमारा हृदय स्वस्थ रहता है। इसमें लिगनान नामक एन्टी-ओक्सीडेंट होता है जो स्तन व आंतों के कैंसर से बचाव करता है एवं रेटिना व मस्तिष्क की कोशिकाओं के विकास में मदद करता है। इससे शरीर में शक्ति का उत्पादन होता है और सहन शक्ति बढ़ती है।

30 साफ्ट जैल	M.R.P.	300/-
60 साफ्ट जैल	M.R.P.	595/-

न्यूट्रीलर फ्लैक्स के लाभ :

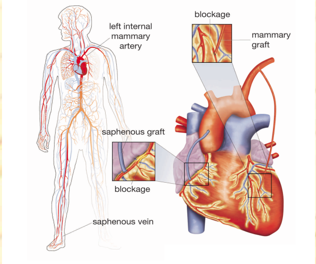

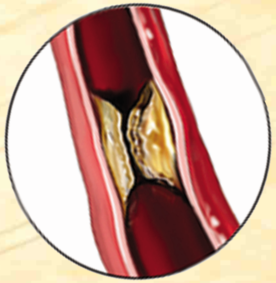

- ✶ धमनियों को कड़ा होने से रोकता है।
- ✶ हाइपरटेंशन से बड़े हुए रक्त चाप को कम करता है।
- ✶ लीवर के कार्य में सुधार लाता है।
- ✶ दृष्टि और रंगों को समझने की क्षमता में सुधार लाता है।
- ✶ शरीर द्वारा उत्पादित ऊर्जा को बढ़ाता है।
- ✶ मोटापे से पीड़ित लोगों का वजन कम करने में मदद करता है।
- ✶ बढ़े हुए सायनस (नाक की हड्डी / मांस का बढ़ना) में सॉफ्ट जैल कैप्सूल के तेल को निकालकर अंगुली से दोनों नाक के अंदर लगाने से बहुत लाभ मिलता है।
- ✶ ओमेगा-3 फैटी एसिड, कोलेस्ट्रेल और खून के ट्राईग्लिसराइड्स को नीचे लाकर, नसों को बन्द होने से बचाता है, क्योंकि नसें बन्द होने पर दिल का दौरा, स्ट्रोक (लकवा) या थ्राम्बोसिस (खून का जमाव) होता है।

30 टेबलेट	M.R.P.	300/-
60 टेबलेट	M.R.P.	595/-

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली/सॉफ्ट जैल दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

हार्ट समस्या के लक्षण आने पर तुरन्त 4 सॉफ्ट जैल कैप्सूल गर्म पानी के साथ लें और अति शीघ्र डाक्टर की सलाह लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर कैल्शियम डी3

कैल्शियम एक आवश्यक खनिज पदार्थ है। मानव शरीर के कुल द्रव्यमान का 99 प्रतिशत कैल्शियम हड्डियों व दांतों में पाया जाता है। केवल 1 प्रतिशत कैल्शियम शरीर की रक्त मांसपेशियों व नरम उत्तकों की कोशिकाओं में पाया जाता है। कैल्शियम हड्डियों व दांतों के निर्माण एवं उन्हें बनाए रखने के लिए जरूरी है। यह दांतों को मजबूत बनाए रखता है जिससे दांत बीमारियों से दूर रहते हैं। कैल्शियम और विटामीन डी-3 हमारी हड्डियों की डेनसिटी को बढ़ाते हैं। कैल्शियम की कमी से महिलाओं में ओस्टीयोपोरासिस और आर्थराइटिस जैसी बीमारियों हो जाती हैं।

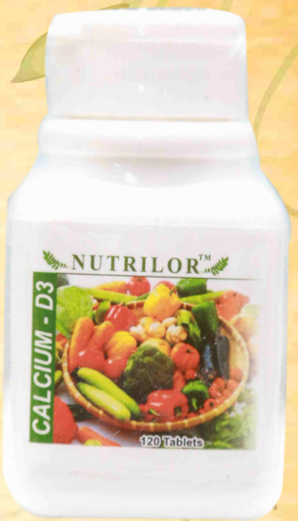

कैल्शियम की उचित मात्रा लेने की सलाह :

उम्र पुरूष और महिला	कैल्शियम मिली ग्राम प्रति दिन	गर्भावस्था व स्तनपान
उम्र 4 से 12	500 मिली ग्राम	N.A.
13 से 18	1300 मिली ग्राम	N.A.
19 से 50	1000 मिली ग्राम	1000 मिली ग्राम
51 से अधिक	1200 मिली ग्राम	N.A.

30 टेबलेट	M.R.P.	240/-
60 टेबलेट	M.R.P.	450/-

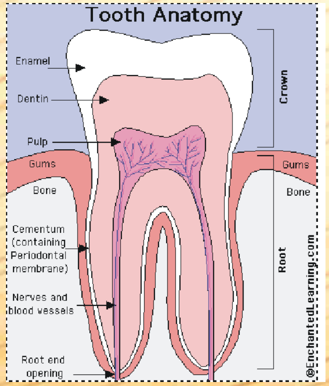

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर नीम

आयुर्वेद में नीम को सर्वरोग निवारक कहा गया है। नीम मानव प्रजाति के लिए एक चमत्कारी वरदान है। सदियों से नीम का प्रयोग त्वचा से सम्बंधित किसी भी बीमारी, बैक्टीरिया, ल्युकोडरमा, डायबिटीज व रक्त को शुद्ध करने में किया जाता रहा है। इसमें तीन से चार प्रकार के लिमोनाइड्स पाए जाते हैं। त्वचा के पुनःनिर्माण में नीम से ज्यादा शक्तिशाली और कोई नहीं है।

न्यूट्रीलर नीम के लाभ :

- ★ नीम का प्रयोग अत्याधिक हानिकारक वायरस और परजीवी के खिलाफ सफलतापूर्वक किया जाता है।
- ★ सोरायसिस के ईलाज में भी नीम का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।
- ★ नीम रक्त की गुणवत्ता में सुधार लाता है जिससे रक्त सम्बंधी विकार जैसे फोड़े-फुन्सी, फटे हुए घाव व सभी चर्म रोगों में शीघ्र लाभ होता है।
- ★ जीवाणुरोधी गुण होने के कारण त्वचा सम्बंधी सभी असाध्य रोगों में इसका प्रयोग किया जाता है। यह गैस्ट्रिक प्रॉब्लम को भी कम करता है।
- ★ यह जोड़ो के दर्द व गठिया के ईलाज में महत्वपूर्ण है।
- ★ नीम मलेरिया तथा वायरस के विकास को रोकने में मद्द करता है।
- ★ एंटी-सेप्टिक का गुण होने के कारण नीम दांतों की सभी बीमारियों में उपयोगी साबित हुआ है।
- ★ रोगाणुरोधी का गुण होने के कारण यह मसूड़ों की सूजन को कम करता है। लोग सदियों से नीम को दातुन के रूप में इस्तेमाल करते आ रहे हैं।
- ★ नीम यौन रोगों को नियंत्रित करने की क्षमता रखता है। यहां तक नीम एच आई वी वायरस से 75% तक बचाव करने में सहायक है।

30 टेबलेट	M.R.P.	300/-
60 टेबलेट	M.R.P.	595/-

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर व्हीटग्रास

जब गेहूँ के बीज को अच्छी उपजाऊ जमीन में बोया जाता है तो कुछ ही दिनों में वह अंकुरित हो कर बढ़ने लगता है और उसमें से पत्तियां निकलने लगती हैं। जब यह अंकुर पांच-छह पत्तों का हो जाता है तो अंकुरित बीज का यह भाग गेहूँ का ज्वारा कहलाता है। गेहूँ के ज्वारे को हम आमतौर पर व्हीटग्रास भी बोलते हैं। व्हीटग्रास बहुत स्वास्थ्यवर्धक चिकित्सकीय गुणों से भरपूर होता है। व्हीटग्रास में अनेक अनमोल पोषक तत्व व रोग निवारक गुण पाए जाते हैं इसलिए इसे आहार नहीं वरन अमृत का दर्जा भी दिया जा सकता है। व्हीटग्रास को आहार शास्त्री धरती की संजीवनी भी मानते हैं। इसके अंदर 19 अमीनो एसिड और 92 खनिज हैं जो शरीर को अपने उच्चतम स्तर पर कार्य करने की ताकत प्रदान करने में सक्षम हैं। प्रसिद्ध आहार शास्त्री डॉ. बशर के अनुसार क्लोरोफिल को सूर्य शक्ति कहा गया है जो व्हीटग्रास में पाया जाने वाला प्रमुख तत्व है।

न्यूट्रीलर व्हीटग्रास के लाभ :

- व्हीटग्रास का सेवन करने से रक्त का शुद्धिकरण होता है जिसके कारण रक्त सम्बंधी चर्म रोग जैसे फोड़े-फुंसी और फटे हुए घावों आदि में शीघ्र लाभ होता है।
- श्वसन तंत्र पर भी व्हीटग्रास का अच्छा प्रभाव होता है। सामान्य सर्दी, स्थाई सर्दी, साईनस, ब्रोंकाइटिस व खांसी तो व्हीटग्रास के प्रयोग से 4-5 दिनों में ही मिट सकती है व दमे जैसा अत्यंत भयंकर रोग भी नियंत्रित हो जाता है।
- व्हीटग्रास के सेवन से गुर्दे की क्रियाशीलता बढ़ती है और पत्थरी भी गल जाती है।
- दांत व हड्डियों की मजबूती में कारगर है। दांत सम्बंधी समस्याओं जैसे दांत का हिलना, मसूड़ों से खून आना इत्यादि में भी उपयोगी है।
- व्हीटग्रास से नेत्र विकार दूर होता है और नेत्र ज्योति बढ़ती है।
- व्हीटग्रास का सेवन करने वालों को रक्तचाप व हृदय रोग नहीं होता है।
- पेट के कीड़ों को शरीर से बाहर निकाल दिए जाने में यह एक सफल उपचार है।
- मासिक धर्म की अनियमित्ताओं को दूर करने में भी व्हीटग्रास उपयोगी है।
- व्हीटग्रास में कुछ क्षारीय खनिज होते है जो अल्सर, कब्ज और दस्त से राहत प्रदान करते हैं।
- व्हीटग्रास में मुख्य रूप में मैग्निशियम उच्च स्तर में होता है जो कब्ज में राहत देता है। गैसीय विकार भी दूर होता है और पाचन क्रिया को बेहद आसान बनाता है।
- व्हीटग्रास शीघ्रपतन, थायराइड, एग्जिमा, कैंसर व आंतो की सूजन के लिए अनमोल औषधि है।
- इसके नियमित प्रयोग से जीवन शक्ति में अपार वृद्धि होती है। इसके नियमित प्रयोग से शरीर में बार-बार होने वाली थकान दूर होती है।
- व्हीटग्रास का प्रयोग शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कई गुणा बढ़ा देता है।

30 टेबलेट	M.R.P.	300/-
60 टेबलेट	M.R.P.	595/-

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर गिलोय

हमारे शरीर में सदैव एक हरारत (विशेष हल्का बुखार) सी रहती है जो किसी भी प्रकार के थर्मामीटर में नहीं आती। परन्तु शरीर में दर्द व अकड़न होती है। गला गर्म होता है। हम अधिकतर किसी को अपना हाथ दिखाते हैं कि देखो बुखार है? परन्तु वह व्यक्ति कहता है कि नहीं बुखार नहीं है और हम चुप हो जाते हैं। परन्तु वास्तव में बुखार होता है हमारे अन्दर, मगर उसके लक्षण हमारे शरीर की रोग प्रतिरक्षा प्रणाली के कमजोर होने के कारण पूरी तरह से बाहर नहीं आ पा रहे होते। जिससे शरीर में चल रही कोई न कोई प्रक्रिया एक बीमारी का रुप लेकर हमारे सामने आने ही वाली होती है। यह बीमारी टाइफाइड, पीलिया या कैंसर भी हो सकती है। अतः इस स्थिति को साधारण न समझें और तुरन्त ही गिलोय टेबलेट का नियमित सेवन शुरू कर दें क्योंकि यह एक बेहतरीन इम्यूनिटी इनहँसर है। अन्यथा आने वाली खतरनाक बीमारी का सामना करने के लिये स्वयं को मानसिक रूप से तैयार करना शुरू कर दें।

आयुर्वेद साहित्य में गिलोय को बुखार की महान औषधि माना गया है एवं इसे जीवन-बूटि का नाम दिया गया है। गिलोय की लता जंगलों, खेतो की मेड़ो, पहाड़ों की चट्टानों आदि स्थानों पर सामान्यतः कूण्डलाकार चढ़ती पाई जाती है। जिस वृक्ष को यह अपना आधार बनाती है उसके गुण भी इसमें शामिल रहते हैं। इसका तना छोटी उंगली से लेकर अंगूठे जितना मोटा होता है। बहुत पुरानी गिलोय में यह बाजू जैसा मोटा भी हो सकता है। इसमें से स्थान-स्थान पर जड़े निकलकर नीचे की ओर झूलती रहती हैं।

गिलोय टेबलेट गिलोय के जड़, तना, पत्तियों से प्राप्त किये गये सत्व से तैयार की गई है। इसमें गिलोय की सबसे अच्छी प्रजाति प्रयोग की गई है। गिलोय टेबलेट बनाने में सेलर् मानको का प्रयोग किया गया है अर्थात मानव स्पर्श रहित प्रोसेसिंग होना और खेती में कोई रसायनिक खाद प्रयुक्त नहीं होना आदि। यह शुगर फ्री सर्टिफाइड है तथा एक शानदार इम्यूनिटी बढ़ाने वाला है।

30 टेबलेट	M.R.P.	300/-
60 टेबलेट	M.R.P.	595/-

न्यूट्रीलर गिलोय के लाभ :

* गिलोय सबसे अधिक प्रयोग की जाने वाली आयुर्वेदिक औषधियों में से एक है। जो एक टॉनिक और डिटोक्सीफायर के रूप में कार्य करती है। यह पेट के कीड़ो को खत्म करती है, गठिया के इलाज में उपयोगी है, दर्दनाशी है, रक्त को शुद्ध करती है, हृदय व रक्त परिसंचरण तंत्र को ठीक रखती है, पाचक है, भूख बढ़ाती है, आमाशय को मजबूती देती है, पेशाब को ठीक करती है, शरीर में ओज पैदा करती है एवं सूजन को दूर करती है।
* इससे मनुष्य की आयु में निश्चित ही वृद्धि होती है। इनकी जड़ों में तने से प्राप्त स्टार्च से पुराना डायरिया एवं पेचिश दूर हो जाता है।
* यह पुराना व बिगड़ा हुआ बुखार, बुखार का बार-बार आना, वायरल, टायफाईड, मलेरिया, गलगण्ड, उल्टी, हृदय रोग, त्वचा रोग, एनीमिया, कफ, अस्थमा, पीलिया, शारीरिक कमजोरी, मूत्र विकार एवं वसा पाचन क्रिया में अति लाभकारी है।
* यह कैंसर का सबसे अच्छा इलाज है ओर इसे आगे बढ़ने से रोक देती है। बुरे कॉलेस्ट्रोल (LDL) को ठीक करती है तथा जिगर को मजबूती देती है। यह वृद्धावस्था को आने से रोकती है। गिलोय का प्रयोग सौन्दर्य प्रसाधन में एवं चेहरे की देखभाल के लिये किया जाता रहा है। हजारों सालों से इसका प्रयोग पुराने बुखार, आर्थराइटिस, फूड एलर्जी आदि को ठीक करने में किया जा रहा है। बच्चों में पाचन सम्बंधी परेशानियों, भूख की कमी तथा बुखार आदि को दूर करने में दिया जाता है।
* त्वचा रोग व बवासीर में ये लाभकारी है। मां के दूध में वृद्धि करता है। रक्त में से विषैले पदार्थ अलग करके रक्त को शुद्ध करता है। अस्थमा, डायबिटीज आदि में लाभकारी है। मासिक धर्म के समय अधिक रक्त निकलना और गर्भपात या डिलीवरी के बाद रक्त के निकलने को नियंत्रित करता है। यह मलेरिया व अन्य सभी तरह के बुखार में भी बहुत लाभकारी है।

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर गार्लिक

औषधीय गुणों से भरपूर गार्लिक (लहसुन) सिर्फ खाने में स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा है। इसमें प्रोटीन, विटामिन, खनिज, लवण, फास्फोरस, आयरन, विटामिन ए, बी, सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। गार्लिक के सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। गार्लिक में एन्टी-बॉयटिक भी पाये जाते है जो बहुत से रोगों को होने से बचाते हैं। गार्लिक उन कीटाणुओं को भी नष्ट करता है जो पेनिसिलिन से भी नष्ट नही होते। गार्लिक की गंध जीवाणुनाशक का काम करती है।

न्यूट्रीलर गार्लिक के लाभ :

- गार्लिक को अस्थमा, गूंगेपन, कुष्ठ रोग, श्वांस की नली के इंफेक्शन, बुखार, लीवर एवं पित्ते की तकलीफ में दिया जाता है। यह हृदय के लिये अति लाभकारी है, बालों को सुन्दर बनाता है, भूख बढ़ाता है, शक्तिवर्धक है, खांसी एवं बवासीर में भी लाभकारी है। यह शरीर के रोगों से बचाव की क्षमता में वृद्धि करता है।
- यह टी.बी. एवं निमोनिया में अति लाभकारी है। इसके साथ ही सीने की जकड़न में लाभकारी है।
- दो गार्लिक टेबलेट को दिन में दो बार गुनगुने पानी के साथ लेने पर यह अस्थमा दूर करने में लाभकारी है। इसके प्रयोग से अस्थमा के अटैक में कमी देखी गई है।
- यह पांचन तन्त्र को सुव्यवस्थित करता है, यह पेट व आंतों में होने वाली गड़बड़ को दूर करता है। एसीडिटी व कब्ज को दूर करता है।
- यह डायरिया, कोलाइटिस एवं पेचिश आदि अनेक आंत रोगों मे अति लाभकारी है। गार्लिक टेबलेट को दिन में दो बार लेने पर यह डायरिया व पेचिश को जड़ से ठीक कर देता है। गार्लिक पेट में उपस्थित हानिकारक बैक्टीरिया का नाश करता है परन्तु लाभकारी एवं पाचन में सहायक किसी भी बैक्टीरिया को हानि नहीं पहुँचाता।
- गार्लिक ब्लड प्रेशर को संतुलित करता है। इससे रक्त धमनियों का तनाव कम होता है। यह नाड़ी की गति एवं दिल की धड़कन को ठीक करता है। प्रतिदिन दो गार्लिक टेबलेट के प्रयोग से ब्लड प्रैशर संतुलित हो जाता है।
- यह गठिया एवं इससे सम्बंधी रोगों को ठीक करता है। साथ ही यह आर्थराइटिस में भी अति लाभकारी सिद्ध हुआ है। यह सूजन को कम करता है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार गार्लिक हार्ट अटैक को रोकने के लिये सबसे अच्छी औषधि है। यह रक्त वाहिकाओं से कॉलेस्ट्रॉल के जमाव को समाप्त करता है। जिससे ब्लड प्रैशर ठीक होता है तथा हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है। एक बार हार्ट अटैक होने के बाद भी गार्लिक लेने पर दूसरे हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है।
- गार्लिक कैंसर में भी अति लाभकारी सिद्ध हुआ है। वैज्ञानिकों के अनुसार गार्लिक शरीर में होने वाले किसी भी प्रकार के ट्यूमर की वृद्धि को रोक देता है।
- यह खांसी को दूर करता है तथा गले की जकड़न आदि को तुरन्त ठीक करता है।
- यह रक्त में उपस्थित विषैले पदार्थो को हटाकर रक्त के शुद्ध करता है।
- यह त्वचा की बीमारियों को दूर करने में भी अति प्रभावशाली है। यह कील, मुहासें तथा त्वचा में होने वाले इंफैक्शन को दूर करता है तथा त्वचा को बेदाग सौंदर्य देता है। दो गार्लिक टेबलेट प्रतिदिन प्रयोग करने से त्वचा की सभी बीमारियां दूर होती हैं।
- यह एक प्रभावशाली एंटी-सेप्टिक है। यह चोट को ठीक करने में मदद करता है, मुहं व पेट के छालों में तुरन्त लाभ पहुंचाता है।
- यह किसी भी कारण से सैक्स क्षमता में आई कमी को दूर करता है। यह नपुसंकता, नाड़ियों में तनाव की कमी आदि को ठीक करता है। गलत आदतों के कारण हुए दुष्प्रभावों को समाप्त करता है। अधिक आयु के व्यक्तियों की सैक्स क्षमता में वृद्धि करता है।

30 टेबलेट	M.R.P.	300/-
60 टेबलेट	M.R.P.	570/-

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर अश्वगंधा

अश्वगंधा बहुत ही छोटे टमाटर के रूप में एक पौधा (झाड़ी) है। अश्वगंधा भारतीय जिनसेंग (औषधीय पौधा जो दक्षिण एशिया और उत्तर अमेरिका में पाया जाता है) के रूप में जाना जाता है और इसका उपयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा में किया जाता है जैसे एशियन जिनसेंग का प्रयोग पारंपरिक चीनी चिकित्सा में किया जाता है। इसमें कई लाभकारी तत्व और एंटी-ऑक्सार्डेट पाये जाते हैं जो मस्तिष्क प्रणाली को सुचारु रुप से चलाने में सहायक हैं जिससे याददाशत में सुधार होता है तथा हमारे मस्तिष्क की कोशिकाओं को नष्ट होने से बचाता है व स्मृति हानि और सज्ञांनात्मक हानि को रोकता है।

न्यूट्रीलर अश्वगंधा के लाभ :

- अश्वगंधा का प्रयोग सूजन, बुखार व संक्रमण को रोकने के लिए किया जाता है।
- गर्भवती महिलाओं को इसका सेवन अत्याधिक लाभकारी है। यह रक्त को शुद्ध करने और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में लाभकारी है।
- अश्वगंधा मधुमेय रोग में मोतियाबिंद होने से भी रोकता है। मोतियाबिंद दुनिया में अंधेपन का एक प्रमुख कारण है।
- अश्वंगधा को न्यूरो टॉनिक के रूप में भी जाना जाता है जिससे मानव शरीर को सहनशक्ति व तनाव से लड़ने की शक्ति मिलती है।
- अश्वगंधा में एंटी-एजिंग तत्व पाये जाते हैं जोकि उत्तकों के पुनर्जन्म को बढ़ावा देते हैं।
- अश्वगंधा में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होता है जिससे हृदय रोग से बचाव होता है।
- अश्वगंधा शरीर की सूजन कम करने में और शरीर की बिगड़ी हुई ग्रंथि को सुधारने में मदद करता है।
- अश्वगंधा चर्म रोगों की रोकथाम में उपयोगी है।
- सांस सम्बंधी रोगों से निजात पाने में अश्वगंधा का सेवन करने से लाभ मिलता है।
- अश्वगंधा में प्राकृतिक स्टेरॉयड होता है जो विभिन्न स्थितियों जैसे कि गठिया और हाथ पैर मुड़ना के उपचार में लाभदायक है। ये सोजस स्थितियों के साथ जुड़े दर्द को कम करने में भी विशेष रूप से लाभकारी होता है।

30 टेबलेट	M.R.P.	300/-
60 टेबलेट	M.R.P.	570/-

प्रयोगविधि :-पहले 5-7 दिन सुबह के समय 1 गोली खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।
उसके बाद 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर डायबा-गो (डायबिटीज को नियन्त्रित करने के लिए)

डायबा-गो 14 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का मिश्रण है। यह मधुमेह, अग्नाश्य कोशिकाओं के गठन और आंत में ग्लूकोज के अवशोषण को कम करने में तथा यकृत और मांसपेशियों में ग्लाइकोजन सामग्री को बढ़ाने में मद्द करता है। इससे शरीर में बनने वाली इंसुलिन की मात्रा नियंत्रित होती है।

30 टेबलेट M.R.P. 395/-
60 टेबलेट M.R.P. 790/-

न्यूट्रीलर डायबा-गो टेबलेट में शामिल जड़ी बूटियों के एक्सट्रैक्ट :-

1. Meshashring : (मेशरिंग) यह एक महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है जो कि स्वाभाविक रूप से रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में बहुत प्रभावी है। मधुमेह में बहुत उपयोगी है। यह नए अग्नाश्य कोशिकाओं के गठन, आँत से ग्लूकोज के अवशोषण को कम करता है।
2. Shudh Shilajit : (शुद्ध शिलाजीत) यह खनिजों का एक प्राकृतिक स्त्रोत है। यह शरीर में सामान्य दुर्बलता में उपयोगी है। मधुमेह रोग के लिए अत्याधिक लाभदायक है। यह एक शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट है।
3. Vijaysar : (विजयसार) यह मधुमेह, अधिक वजन, उच्च रक्तचाप, पाचन में सुधार के लिए उपयोगी है।
4. Neem : (नीम) नीम कई अपाच्य रोगों के लिए अत्याधिक उपयोगी है। मधुमेह, त्वचा रोग, थकान, कुष्ठ रोग, पीलिया, पेट के अल्सर आदि रोगों में उपचार के लिए उपयोग में लाया जाता है।
5. Harad : (हरड़) इसे दवाओं का राजा कहा जाता है। आयुर्वेद में सभी रोगों को नष्ट करने के लिए और शरीर से सभी टोक्सिन्स को बाहर करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। यह पाचन रोग, मूत्ररोग, मधुमेह, त्वचा रोग, परजीवी संक्रमण, हृदय रोग, शूल, बवासीर, कब्ज आदि रोगों के लिए बहुत फायदेमंद है।
6. Amla : (आंवला) यह एक विटामिन सी का उच्चतम प्राकृतिक स्त्रोत है। यह मूत्रवर्धक, कब्ज, मधुमेह, पीलिया, अपच, खाँसी आदि रोगों के लिए बहुत उपयोगी है।
7. Jamun : (जामुन) यह विटामिन ए और विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत है।
8. Methi : (मेथी) मेथी मधुमेह, गठिया, उल्टी, बवासीर, पेट के कीडे और अन्य बीमारियों के लिए फायदेमंद है।
9. Yashad : (यशद) यह गले के दर्द, मधुमेह, ल्यूकोरिया तथा पाचन क्रिया में लाभदायक है।
10. Vang Bhasma : (वंग भस्म) यह शरीर के लिए रंग, शक्ति और जीवन शक्ति देता है।
11. Swarm Makhik : (स्वार्म मखिक) यह मधुमेह, बांझपन, बुखार, खाँसी, गठिया, मानसिक विकार, नपुंसकता आदि रोगों में उपयोगी है।
12. Giloy : (ग्लोए) यह मधुमेह, पाइल्स, त्वचा रोग, मलेरिया, अपच, अस्थमा, आदि रोगों के लिए उपयोगी है।
13. Gudmar : (गुडमार) यह मधुमेह और मोटापे के लिए लाभकारी है।
14. Karela : (करेला) यह एक एंटी-आर्क्सीडेंट है और इसके सेवन से मधुमेह, कैंसर, मलेरिया, पाचन सम्बंधी समस्याओं और वायरल आदि रोगों के उपचार में लाभ मिलता है।

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर न्यूट्री हेयर (लंबे व मजबूत बालो के लिए)

न्यूट्रीलर न्यूट्री हेयर 6 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का मिश्रण है जो रूखे, बेजान व दो-मुँहें बालों से छुटकारा दिला कर बालों को काले, घने, लम्बे व मजबूत बनाता है और बालों का झड़ना, सिकरी की समस्या, समय से पहले बालों का सफेद होना, बालों का जगह जगह से झड़ना (एलोपेसिया) तथा गंजापन रोकने में सहायता करता है।

30 टेबलेट M.R.P. 395/-
60 टेबलेट M.R.P. 790/-

न्यूट्रीलर न्यूट्री हेयर टेबलेट में शामिल जड़ी बूटियों के एक्सट्रैक्ट :-

1. Amalk (एमाल्क) : आंवला में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो बालों के लिए बहुत उपयोगी है।
2. Bhringraj (भृंगराज) : यह बालों को जीवंत करता है बालों को काला और घना करता है। तथा सिर दर्द में राहत पहुँचाता है।
3. Til (तिल) : यह बालों को लम्बा व काला करता है। और सिर में ठंडक पहुँचाता है और माइग्रेन को रोकता है।
4. Beetroot (चुकन्दर) : बालों को घना करता है। बालों को काला करता है और मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह में सुधार करता है।
5. Yasad Bhasma (यशद भस्म) : यह बालों को मजबूती प्रदान करता है और रूसी को हटाता है।
6. Loh Bhasma (लौह भस्म) : यह बालों में मजबूती प्रदान करता है। गंजेपन को दूर करता है।

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर पाईल्सटैब (बवासीर में आराम के लिए)

न्यूट्रीलर पाईल्सटैब 10 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का मिश्रण है। यह पुरानी कब्ज, पाचन सम्बंधी समस्याओं, गुदा से खून का रिसाव, गुदा में अधिक दर्द होना और गुदा का बाहर आना, ठीक से न बैठ पाना, बवासीर (फिशर, भगन्दर, मस्से, फिशटुला, खूनी, बादी) इत्यादि में बहुत ही उपयोगी है।

न्यूट्रीलर पाईल्सटैब टेबलेट में शामिल जड़ी बूटियों के एक्सट्रैक्ट :-

1. Apamarg : (अपामार्ग) योनि रोगों, बवासीर में खून बहना, कब्ज, मूत्राशय की पत्थरी में बहुत उपयोगी होता है।
2. Gandha : (गंधा) सामान्य शारीरिक विकास, बुखार, सर्दी, खाँसी व मूत्र समस्याओं में उपयोगी है।
3. Guldaudi : (गुलदाऊदी) दिल की समस्याओं, छाती में दर्द तथा पाचन संबंधी समस्याओं में लाभदायक है।
4. Kutki : (कुटकी) कब्ज, त्वचा रोग, हृदय विकार, खाँसी, अस्थमा के लिए बहुत उपयोगी होता है।
5. Neem : (नीम) नीम में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है। यह सभी प्रकार के रोगों के लिए अत्याधिक लाभकारी होता है।
6. Nishoth : (निशोथ) यह सूजन, कब्ज, मोटापे को कम करने, बुखार व असामान्य परिस्थितियों में बहुत सहायक होता है।
7. Ritha : (रीठा) त्वचा सम्बंधी रोगों के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
8. Kali Rai : (काली राई) रक्त विकार, मूत्र विकार, उबकाई और वसा को कम करता है तथा दंत समस्याओं में भी लाभदायक है।
9. Rasonth : (रसोंत) यह पुराने तथा गंभीर नेत्ररोगों में लाभदायक होता है तथा आंखों की सूजन को कम करता है।
10. Yevsar : (येवसार) दिल की समस्याओं, छाती में दर्द तथा पाचन संबंधी समस्याओं में बहुत लाभदायक है।

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

30 टेबलेट	M.R.P.	395/-
60 टेबलेट	M.R.P.	790/-

Formation of hemorrhoids

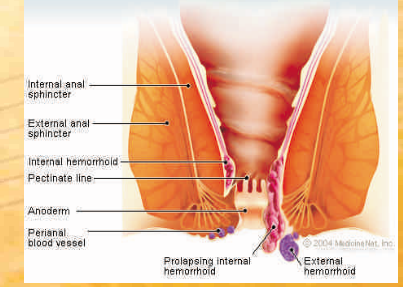

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर एलर्जी रिलैक्स (एलर्जी में आराम के लिए)

न्यूट्रीलर एलर्जी रिलैक्स 11 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का मिश्रण है। इसके उपयोग से सोराइसिस, एग्जिमा, स्कैबीज़, हर्पीज़, एलर्जी, त्वचा पर लाल चकते, हरे घाव, दाद, आँखें लाल होना, घूल मिट्टी से एलर्जी, अस्थमा, दमा, गला खराब होना, गले में खराश होना, छाती में इन्फैक्शन व बलगम का बनना, छींके आना और मौसम बदलने से होने वाली परेशानियों में आराम मिलता है।

30 टेबलेट	M.R.P.	395/-
60 टेबलेट	M.R.P.	790/-

न्यूट्रीलर एलर्जी रिलैक्स टेबलेट में शामिल जड़ी बूटियों के एक्सट्रैक्ट :-

1. Rudravnti : (रूद्रावंती) यह अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, अपच, पेट फूलना, पेट का दर्द, मधुमेह, तथा त्वचा के रोगों के लिए उपयोगी है।
2. Prawal Pisthi : (प्रवाल पिष्ठी) यह सिर दर्द, उल्टी तथा एसीड़िटी में लाभदायक है।
3. Triphala : (त्रिफला) यह एंटी-वायरल, एंटी-बैक्टीरियल, शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है और इसमें एंटी-एलर्जी गुण पाया जाता है।
4. Guggal : (गुग्गल) सामान्य वजन बनाए रखने में, जोड़ों के ऊतको को सही कार्य करने में सहायता करता है।
5. Shilajeet : (शिलाजीत) छींकें, सांस लेने में घुटन, बहती नाक, खुजली, आँखे लाल होना, त्वचा पर लाल चकते, दमा और अस्थमा के ईलाज के लिए उपयोग किया जाता है।
6. Haridra : (हरिद्रा) यह एक प्राकृतिक एंटी-सेप्टिक और एंटी-बैक्टीरियल एजेंट है।
7. Ginger : (अदरक) सिर दर्द, फ्लू, सर्दी से बुखार और गले के दर्द में लाभदायक है।
8. Liquorice : (लिक्योराईस) सर्दी, खाँसी, एसिडिटी, गले में खराश, अल्सर और पेशाब के दर्द के लिए लाभकारी है।
9. Nimb : (निम्ब) सामान्य शारीरिक विकास, बुखार, सर्दी, खाँसी व मूत्र समस्याओं में उपयोगी है।
10. Guduchi : (गुडुची) यह एक रक्त शोधक है। नेत्र विकारों में मददगार माना जाता है।
11. Tulsi : (तुलसी) बुखार, जुकाम, मलेरिया, खाँसी, गले में खराश, अस्थमा, इन्फ्लूऐन्जा तथा त्वचा विकारों में लाभदायक होता है।

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर आर्थो-रिलैक्स (जोड़ों के दर्द के लिए)

न्यूट्रीलर ऑर्थो-रिलैक्स 12 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का मिश्रण है। यह सरवाईकल, कंधे का दर्द, गठिया, जोड़ो का दर्द व सूजन, वात रोग, मांस-पेशियों का दर्द, शरीर की अकड़ाहट, नाड़ी सूजन एवं हाथ-पैरों की कम्पन में बहुत आराम पहुँचाता है।

न्यूट्रीलर आर्थो-रिलैक्स टेबलेट में शामिल जड़ी बूटियों के एक्सट्रैक्ट :-

1. Ashwagandha : (अश्वगंधा) तनाव कम करने के लिए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए, मिर्गी तथा मस्तिष्क सम्बंधी रोगों में उपयोगी है।
2. Nirgundi : (निर्गुंडी) गठिया, सूजन, भूख बढ़ाने में, अस्थमा, कृमिनाशक तथा नेत्ररोग का ठीक करने तथा जोडों की सूजन कम करने में उपयोगी है।
3. Rasna : (रसना) वात्त रोगों में अत्याधिक लाभकारी होने के साथ-साथ त्वचा रोगों में, तंत्रिका तंत्र में उपयोगी, हृदय रोगों में, उच्च रक्तचाप व उच्च कोलेस्ट्रॉल में उपयोगी है।
4. Suranjan : (सुरंजन) गठिया व जोडों के दर्द में, अपच व गैस्ट्रिक सम्बंधी रोगों में, जिगर व तिल्ली सम्बंधी रोगों में लाभदायक है।
5. Sunthi : (सुंथी) हृदय रोगों में, हैजा, मूत्राशय रोगों में , गठिया, तंत्रिका तंत्र के रोगों में, पेट के रोगों में, सिर दर्द, पागलपन, तथा मस्तिष्क के रोगों में उपयोगी है।
6. Alua : (अलुआ) पेट दर्द, गठिया, अधिक थकान, नसों का दर्द, लकवा और सूजन में उपयोगी होता है।
7. Haldi : (हल्दी) गठिया, दर्द, मोच, घाव में हल्दी बहुत लाभदायक है।
8. Amba Haldi : (अंबा हल्दी) त्वचा सम्बंधी रोगों में, गले व नाक के सक्रंमण रोगों में लाभदायक है।
9. Guggal : (गुग्गल) गठिया, जोडों और हड्डियों के दर्द, पुराने औस्टियो आर्थराइटिस, अधरंग के लिए उपयोग किया जाता है।
10. Kuchla : (कुचला) पेट दर्द, गठिया, अधिक थकान, नसों का दर्द, लकवा और सूजन में उपयोगी होता है।
11. Goloy : (गिलोय) त्वचा रोगों में, अस्थमा, मधुमेह और मलेरिया में लाभदायक है।
12. Triphala : (त्रिफला) एंटीआक्सिडेंट होने के कारण एच आई वी, एलर्जी और सूजन के लिये लाभदायक है। इसके साथ-साथ रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क को उतेजित करने में भी सहायक है।

30 टेबलेट	M.R.P.	395/-
60 टेबलेट	M.R.P.	790/-

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर बी. पी. केयर (हाई ब्लड प्रेशर पर नियंत्रण के लिए)

न्यूट्रीलर बी.पी. केयर 8 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का मिश्रण है। यह हृदय की बेचैनी व घबराहट, तनाव, अनिद्रा, सिर की नसों का स्पष्ट फड़कना, एकाएक गुस्सा आना, नेत्रों में खून उतर जाना तथा उच्च रक्त चाप की अन्य सभी जटिलताओं में बहुत उपयोगी और फायदेमंद होता है। फास्ट फूड, चीनी, मांस, अत्याधिक मसालेदार भोजन, शीतल पेय, कॉफी तथा टैन्शन की बातो से परहेज करें।

न्यूट्रीलर बी.पी. केयर टेबलेट में शामिल जड़ी बूटियों के एक्सट्रैक्ट :-

1. Rauwolfia Serpentina : (सर्पगंधा) उच्च रक्तचाप, दस्त, हैजा और पागलपन के इलाज में इसका उपयोग किया जाता है।
2. Santalum Album : (सफेद चंदन) पुराने त्वचा रोगों, मुहांसे, पेचिस और सूजन में इसका उपयोग किया जाता है।
3. Symplocos Racemosa : (लोधरा) नेत्र रोग, ट्यूमर, कुष्ठ रोग, त्वचा रोग, अस्थमा, गठिया, लीवर आदि रोगों में लाभदायक है।
4. Tinospora Cordifolia : (गिलोय) मूत्रविकारों, अपच, सामान्य दुर्बलता, गठिया व पीलिया में बहुत उपयोगी है।
5. Terminalia Chebula : (हरीतकी) बवासीर, गले की खराश व मसूड़ों सम्बंधी रोगों में बहुत उपयोगी है।
6. Piper Longum : (पिप्पली) कब्ज, सूजाक, दस्त, अनिद्रा, मिर्गी, खाँसी, ट्यूमर व अस्थमा में लाभदायक है।
7. Terminalia Arjuna : (अर्जुन) हृदय की मांसपेशियों को पोषण प्रदान करने और उन्हें मजबूत बनाने में, श्वसन प्रणाली तथा मूत्र प्रणाली के रोगों में, यौन रोग तथा मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए बहुत लाभदायक है।
8. Hyoscyamus Niger Linn : (खुरासानी अजवायन) आंतो में ऐंठन, नसों का दर्द, त्वचा की सूजन, दमा, काली खाँसी और दस्त के उपचार में प्रयोग किया जाता है।

30 टेबलेट	M.R.P.	395/-
60 टेबलेट	M.R.P.	790/-

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर ल्यूकोम (ल्यूकोरिया व नियमित माहवारी के लिए)

न्यूट्रीलर ल्यूकोम 15 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का मिश्रण है जो स्त्रियों में मासिक धर्म सम्बंधी विकार, बाँझपन और माहवारी की अनियमिताओं में बहुत उपयोगी होता है।

न्यूट्रीलर ल्यूकोम टेबलेट में शामिल जड़ी बूटियों के एक्सट्रैक्ट :-

1. Ashokchhal : (अशोकछाल) स्त्रियों में मासिक धर्म सम्बंधी रोगों के लिए उपयोगी है।
2. Lodhra : (लोधरा) मासिक धर्म सम्बंधी विकार, बांझपन, माहवारी से पहले या दौरान पेट के निचले हिस्सें में होने वाले दर्द के लिए उपयोगी है।
3. Dhataki : (धातकी) दस्त, पेचिस, बुखार, सिर दर्द, बवासीर, दाद, आँतरिक रक्तस्त्राव, ल्यूकोरिया, अल्सर आदि रोगों में बहुत लाभदायक है।
4. Udumber : (उद्म्बर) जिगर समस्याओं व कमजोरी में, थायराइड समस्याओं में तथा गर्भावस्था में उपयोगी है।
5. Gokshar : (गोक्षर) यौन इच्छा व यौन प्रदर्शन के सुधार में उपयोगी है।
6. Lauh Bhasma : (लोह भस्म) रक्त की कमी, बुखार, सामान्य कमजोरी व यकृत रोगों में उपयोगी है।
7. Agnimantha : (अग्निमंथा) मूत्रविकार और मधुमेह विकारों में, मोटापे में व पेट के दर्द में उपयोगी है।
8. Gandhak Rasayan : (गंधक रसायन) त्वचा रोगों में, खुजली व अन्य संक्रमण रोगों में उपयोगी है।
9. Gambhari : (गम्भरी) यह मिर्गी, बुखार, गठिया, सिर दर्द, बवासीर और स्त्रियों के मासिक धर्म सम्बंधी बीमारी में लाभदायक है।
10. Nimb Twark : (निम्ब तवक) स्वास्थ्य सम्बंधी रोगों, त्वचा सम्बंधी विकारों, एलर्जी व दस्त में लाभदायक है।
11. Patla : (पाटला) उदर विकारों में, Hypertension, त्वचा रोगों में, उच्च रक्तचाप में उपयोगी है।
12. Khadir : (खादिर) स्वास्थ्य सम्बंधी रोगों में, त्वचा सम्बंधी विकारों में, एलर्जी में, पुरानी पेचिस व दस्त में मद्दगार है।
13. Haridra : (हरिद्रा) यौन इच्छा व यौन प्रदर्शन के सुधार में उपयोगी है।
14. Vidang : (विडंग) स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने में उपयोगी है।
15. Palash : (पलाश) गठिया, आंतो के संक्रमण, पेट की समस्याओं व अल्सर में उपयोगी है।

30 टेबलेट	M.R.P.	395/-
60 टेबलेट	M.R.P.	790/-

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर सेएग्रा (स्खलन समय और यौन शक्ति बढ़ाने के लिए)

न्यूट्रीलर सेएग्रा 12 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का मिश्रण है। स्वयं को थका हुआ एवं कमजोर महसूस करने वाले लोगों में यौन उत्साह की वृद्धि कर विवाहित जीवन का पूर्ण आनंद प्रदान करता है। वीर्य में शुक्राणुओं की कमी, शीघ्रपतन, स्वप्न दोष, लिंग छोटा होना और नपुंसकता जैसी समस्या को दूर करने में कारगर प्रभाव दिखाता है। अत्याधिक संभोग और हस्तमैथुन के कारण उत्पन्न हुई दुर्बलता को दूर कर प्रजनन अंगों में जोश और शक्ति पैदा करता है।

न्यूट्रीलर सेएग्रा टेबलेट में शामिल जड़ी बूटियों के एक्सट्रैक्ट :-

1. Ashwagandha : (अश्वगंधा) यह शुक्राणुओं को बढ़ाने में मदद देता है, कामोद्दीपक संपत्तियों को बढ़ाता है। आयुर्वेद में यह बुद्धि एवं सामान्य दुर्बलता के लिए प्रयोग किया जाता है।
2. Shatavari : (शतावरी) उत्कृष्ट कामोद्दीपक को बढ़ाता है।
3. Kaunch Beej : (कौंच बीज) पेट के कीड़ो को नष्ट करने में, कामोद्दीपक, मूत्रवर्धक होने के साथ-साथ यह पेट के दर्द, अपच, चेहरे का पक्षाघात आदि में उपयोगी है।
4. Gokhru : (गोखरू) मूत्रवर्धक और यौन प्रदर्शन को बढ़ाता है। यौन विकारों को दूर करता है। दर्द व घबराहट को दूर करता है।
5. Pippli : (पिप्पली) यौन इच्छा बढ़ाता है और मूत्रविकार में लाभदायक होता है।
6. Akarkara : (अकरकरा) शीघ्रपतन एवं कायाकल्प के लिए प्रयोग किया जाता है।
7. Vidarikand : (विदारीकन्द) यौन उतेजक और समय से पहले स्खलन के लिए उपयोगी है।
8. Safed Musali : (सफेद मूसली) यह एक रसायन जड़ी-बूटी है। व्यापक रूप से नपुंसकता व कामोद्दीपक के लिए उपयोगी है।
9. Shudh Shilajit : (शुद्ध शिलाजीत) यह प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है। सामान्य कमजोरी को कम करता है और यौन प्रदर्शन को बढ़ाता है। यौन दुर्बलता, यौन नसों की दुर्बलता एवं बुजुर्गों में लैंगिक कमजोरी में लाभदायक है।
10. Makardhwaj : (मकरध्वज) शारीरिक और मानसिक कमजोरी को निकालता है।
11. Talmakhana : (ताल मखाना) मूत्ररोगों और यौन रोगों के उपचार के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है।
12. Jaiphal : (जायफल) यौन उतेजक और समय से पहले स्खलन के लिए उपयोगी है।

30 टेबलेट	M.R.P.	495/-
60 टेबलेट	M.R.P.	890/-

प्रयोगविधिः- 1-1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।

NUTRILOR™
Health Care

न्यूट्रीलर एम–पावर (शुक्राणुओं की वृद्धि के लिए)

न्यूट्रीलर एम–पावर 8 आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों का मिश्रण है। जिससे पुरूषों में स्वस्थ शुक्राणु उत्पादन में मदद मिलती है। कामेच्छा बढ़ाता है, स्खलन समय वृद्धि और यौन शक्ति को बढ़ाता है। स्त्रियों में संभोग के दौरान दर्द, अंडाशय में अंडे का न बनना तथा गर्भधारण असमर्थता में उपयोगी है।

न्यूट्रीलर एम–पावर टेबलेट में शामिल जड़ी बूटियों के एक्सट्रैक्ट :-

1. Orchis Maculata : (तुलसी) कामेच्छा बढ़ाती है, स्खलन समय वृद्धि और यौन प्रदर्शन को बढ़ाती है।
2. Hygrophila Auriculata : (तालमखाना) मूत्र संक्रमण, मूत्राशय के दर्द और सूजन के इलाज के लिए प्रयोग किया जाता है।
3. Lactuca Scariola : (वनव्यूह) खाँसी, अनिद्रा आदि में लाभदायक है।
4. Mucuna Pruriens : (मकरध्वज) कामेच्छा बढ़ाने के लिए, शुक्राणु गिनती बढ़ाने के लिए व यौन सम्बंधों में सुधार के लिए उपयोग किया जाता है।
5. Argyreia Speciosa : (विधारा) कामोद्दीपक होने के साथ–साथ सूजन को भी घटाने वाला टॉनिक है।
6. Tribulus Terrestris : (गोखरू) यौन इच्छा को बेहतर बनाने, एथलेटिक्स प्रदर्शन को बढ़ाने में, गुर्दे की पत्थरी, एग्जिमा तथा सूजन आदि में लाभदायक है।
7. Leptadenia Reticulata : (डोरी) स्वास्थ्य तथा शक्ति को बढ़ाता है। नेत्र रोगों में, दुर्बलता, खाँसी, दमा, बुखार व जलन में भी उपयोगी है।
8. Parmelia Perlata : (रक्त पोस्ता) दर्द में राहत, खुजली व त्वचा रोगों में व शरीर की सूजन को कम करता है।

30 टेबलेट	M.R.P.	585/-
60 टेबलेट	M.R.P.	1040/-

प्रयोगविधिः– 1–1 गोली दिन में दो बार खाना खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ लें।